पत्रिका

राजस्थान पत्रिका

सुधरते आर्थिक एवं सामाजिक हालात पेज 06

फ्लैट खरीदारों को राहत, कोर्ट दिलाएगा मुआवजा पेज 11

इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड, हिमाचल में बर्फबारी पेज 12

कोरोना के नए 875 मामले, 4 की मौत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. राज्य में सोमवार को बीते 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के नए मरीजों की संख्या 875 रही वहीं चार जनों ने दम तोड़ दिया। इस तरह लगातार दूसरे दिन नए मामले 900 से कम पाए गए। इसके साथ ही राज्य में अब कोरोना संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 1 लाख 74 हजार 679 हो गई है। उधर मृतकों की संख्या बढ़कर 3728 पहुंच चुकी है।

लगातार दूसरे दिन संक्रमितों की संख्या 900 से कम

गुजरात में पिछले कुछ दिनों से कोरोना की स्थिति में सुधार नजर आ रहा है। सोमवार को दर्ज हुए 998 मरीजों में से सबसे अधिक 206 सूरत जिले के हैं। अहमदाबाद जिले में 177, वडोदरा जिले में 110, राजकोट में 42, जामनगर में 32 तथा गांधीनगर में 30 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। राजकोट में तेजी से मरीजों की संख्या में कमी आई है। रविवार को 82 नए मामलों की तुलना में सोमवार को राजकोट जिले में लगभग आधे (42) मरीज ही सामने आए हैं।

सोमवार को सबसे ज्यादा 2 मरीजों की मौत अहमदाबाद जिले में हुई। इसके अलावा सूरत और बनासकांठा जिलों में एक-एक मरीजों ने दम तोड़ा।

फिलहाल राज्य में कोरोना की रिकवरी दर 90.60 फीसदी हो गई है, जो अब तक का सर्वाधिक है। सोमवार को एक ही दिन में 1004 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। अब तक कोरोना को मात देने वालों की संख्या 1 लाख 58 हजार 251 हो गई है। राज्य में कुल एक्टिव मरीजों की संख्या में भी लगातार कमी आ रही है। सोमवार को पूरे प्रदेश में 12700 एक्टिव मरीज सामने आए। इनमें से 58 वेंटिलेटर पर हैं, जबकि 12642 की हालत स्थित है। सोमवार को 52880 कोरोना टेस्ट किया गया। अब तक कोरोना के कुल 61 लाख 57 हजार 811 टेस्ट किए जा चुके हैं।

दो इंजीनियरों ने बनाया सेंसर आधारित स्वदेशी उपकरण 'शूल'

फल-सब्जी की पैदावार 15% तक बढ़ाने में सेंसर होगा मददगार

नगेन्द्र सिंह
patrika.com

अहमदाबाद. फल और सब्जियों की खेती करने वाले किसान अब सेंसर के जरिए अपने फल और सब्जियों की पैदावार को 10 से 15 फीसदी तक बढ़ा सकते हैं। लागत भी करीब 20 से 25 फीसदी कम कर सकते हैं। इतना ही नहीं वे फसल के विफल होने का खतरा भी कम कर सकते हैं।

दो युवा इंजीनियरों-जयपुर के हर्ष अग्रवाल (इलैक्ट्रिकल-निरमा विवि) और निकिता तिवारी (इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन-एनआईटी खडगपुर)ने इसके लिए सेंसर आधारित स्वदेशी उपकरण स्मार्ट सेंसर फॉर हाइड्रोलॉजी एंड लैंड एप्लीकेशन -'शूल' को विकसित किया है। इसकी विशेषता है कि इसे एक बार फल-सब्जी वाले खेत में जमीन में लगाने पर किसान घर बैठे ही उनके स्मार्ट मोबाइल फोन पर यह पता कर सकता है कि खेत में कब और कितना पानी देना है। कब और कितनी खाद डालनी है। क्योंकि ये हर घंटे की जानकारी को अपडेट करता है। गांधीनगर के भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के स्टार्टअप सपोर्ट केन्द्र क्रेडल की मदद से क्रेडल परिसर में ही इन्होंने कृषि तकनीक वाला अपना स्टार्टअप 'नीर एक्स टेक्नोलैब' शुरू किया है। हर्ष के मुताबिक इस उपकरण की विशेषता यह है कि यह जमीन के स्वास्थ्य मानकों को बताता है जिसमें जमीन (खेत की नमी), खारापन, तापमान, आद्रता, हवा की गति और दिशा तक बताता है। जो किसानों को उनकी फसल की पैदावार को बढ़ाने में काफी मददगार साबित होगी। हर्ष बताते हैं कि उनका उपकरण बाजार में मौजूद अमरीका और ब्रिटेन की कंपनियों के सेंसर आधारित विदेशी उपकरणों की तुलना में करीब पांच गुना सस्ता और 97 प्रतिशत तक सटीक जानकारी देने वाला स्वदेशी उपकरण है।

घर बैठे ही सप्ताह भर पहले ही जान सकेंगे खेत में कब देना है पानी और खाद

मोबाइल पर मिलेगी हर अपडेट जानकारी

अभी जरूरत से 25-40 गुणा लग जाता है पानी

हर्ष बताते हैं कि अभी किसान फल और सब्जियों में फसल की जरूरत से 25 से 40 गुणा ज्यादा पानी और खाद लगा देते हैं, क्योंकि उन्हें अंदाजा ही नहीं होता है। इसका असर फसल की पैदावार पर होता है। कई बार फसल विफल भी हो जाती है। ज्यादा खाद और पानी देने के चलते पैदावार कम होती है। बिजली बिल बढ़ता है और पानी भी बेजा खर्च होता है।

25% लागत कम, 15% पैदावार बढ़ाने का दावा

ज्यादा खाद, पानी देना रोककर ही फसल की करीब 20 से 25 फीसदी लागत कम कर सकते हैं। ये सेंसर पैदावार बढ़ाने के लिए खेत का आकार नहीं बल्कि फल, सब्जी के पेड़, पौधों की संख्या के आधार पर पानी और खाद की जरूरत पता कर उसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित कराते हैं। इससे करीब 10 से 15 फीसदी पैदावार बढ़ाई जा सकती है।

इसरो-आईएआरआई की भी मिली मदद

इस सेंसर को विकसित करने में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अहमदाबाद और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई)दिल्ली की भी मदद मिली है। दोनों ही संस्थानों ने उनके शूल उपकरण को प्रमाणित किया है और इसे विकसित व डिजाइन करने में मददरूप भी हुए हैं।

कृषि विवि शोध के लिए अपना रहे हैं उपकरण

यह उपकरण गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, उडीसा, दिल्ली सरीखे राज्यों में सरकारें अपना रही है। साथ ही कृषि विश्वविद्यालय शोध व पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में इस उपकरण का उपयोग कर रहे हैं।

गुजरात में उपचुनाव : भाजपा व कांग्रेस के बीच है मुख्य मुकाबला, 81 प्रत्याशी हैं चुनाव मैदान में

8 विधानसभा सीटों पर मतदान आज

182 सदस्यीय राज्य विधानसभा में भाजपा के 103 विधायक हैं और कांग्रेस के हैं 65 विधायक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. गुजरात विधानसभा की 8 सीटों पर मंगलवार को मतदान होगा। उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने पूरी तैयारी कर ली है। मतदान सुबह सात बजे से शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगा। इन क्षेत्रों के 1807 मतदान स्थलों पर 3024 केन्द्र बनाए गए हैं।

जिन आठ सीटों पर मतदान होना है उनमें कच्छ जिले की अबडासा, मोरबी, अमरेली जिले की धारी, बोटाद जिले की गढडा, सुरेन्द्रनगर की लिंबडी, मोरबी, वलसाड जिले की कपराडा, डांग और वडोदरा जिले की करजण सीटें शामिल हैं। इन सीटों पर 81 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। हालांकि मुख्य मुकाबला भाजपा व कांग्रेस के बीच है। दोनों राजनीतिक दलों की ओर से पिछले दिनों जोर-शोर से चुनाव प्रचार किए गए। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल, अन्य मंत्री सहित दो केन्द्रीय मंत्रियों-पुरुषोत्तम रूपाला व मनसुख मांडविया-ने कमान संभाली वहीं कांग्रेस में भी प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा, विधानसभा में विपक्ष के नेता परेश धानाणी, कांग्रेस प्रभारी राजीव सातव सहित प्रदेश नेताओं ने चुनाव-प्रचार किया। रविवार को चुनाव प्रचार खत्म हुआ। मतगणना 10 दिसम्बर को होगी। गौरतलब है कि इस वर्ष राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के आठ विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था। इसके चलते इन सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। फिलहाल 182 सदस्यीय राज्य विधानसभा में भाजपा के 103 विधायक हैं वहीं कांग्रेस के 65 विधायक हैं। बीटीपी के 2 तथा एक-एक एनसीपी और निर्दलीय विधायक हैं। दो सीटों का मामला अदालत में लंबित है।

करजण में सोमवार को चुनाव कर्मियों का मार्गदर्शन करतीं वडोदरा की जिला चुनाव अधिकारी सह जिला कलक्टर शालिनी अग्रवाल।

8 सीटों पर 18.75 लाख मतदाता

कुल मतदाता	18,75,032
पुरुष मतदाता	9,69,834
महिला मतदाता	9,05,170
थर्ड जेण्डर	28

8 सीटों पर ये हैं उम्मीदवार

सीट	भाजपा	कांग्रेस
अबडासा	प्रद्युम्नसिंह जाडेजा	शांतिलाल सेंधाणी
लिंबडी	किरीट सिंह राणा	चेतन खाचर
मोरबी	ब्रिजेश मेरजा	जयंतीलाल पटेल
धारी	जे वी काकडिया	सुरेश कोटडिया
गढड़ा	आत्माराम परमार	मोहन सोलंकी
करजण	अक्षय पटेल	किरीटसिंह जाडेजा
डांग	विजय पटेल	सूर्यकांत गावित
कपराडा	जीतू चौधरी	बाबूभाई पटेल

कोरोना मरीज पीपीई पहनकर डालेंगे वोट

मतदान से पहले सभी को मिलेंगे दस्ताने

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. कोविड-19 महामारी के चलते इस बार गुजरात में चुनाव आयोग ने मतदान केन्द्रों में विशेष व्यवस्था की है। प्रत्येक मतदाता को मतदान के लिए दस्ताने दिए जाएंगे। कोरोना संक्रमित मतदाता पीपीई किट पहनकर मतदान करेंगे। राज्य चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव अधिकारी एस. मुरलीकृष्णा ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता और कर्मचारी को कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। प्रत्येक मतदाता को पॉलिथीन के दस्ताने (हैण्ड ग्लव्स) दिए जाएंगे। इसके लिए 21 लाख दस्तानों की व्यवस्था की गई है। वहीं पोलिंग स्टाफ को तीन लाख फेस मास्क उपलब्ध कराए गए हैं।

अधिकतम एक हजार मतदाता डालेंगे वोट

प्रत्येक केन्द्र पर अधिकतम 1500 मतदाताओं के बजाय 1000 मतदाता संख्या है। 1807 मतदान स्थलों पर 3024 केन्द्र बनाए गए हैं। मतदान केन्द्रों पर 419 माइक्रो ऑब्जर्वर हैं। मतदान के दिन नौ सौ मतदान केन्द्रों से लाइव वेबकास्टिंग होगी। खर्च निरीक्षण के लिए 27 लाइंग स्क्वॉयड, 27 स्टेटिक्स सर्विलांस टीम बनाई गई हैं। स्टेटिक सर्विलांस के अलावा 18 वीडियो सर्विलांस, 8 वीडियो व्युईंग टीम और आठ हिसाबी टीम और 8 सहायक खर्च निरीक्षक हैं। चुनाव खर्च पर नियंत्रण टीम एवं आबकारी व नसाबंदी विभाग ने एक नव बर तक एक करोड़ रुपए की शराब जब्त की। वहीं भरूच में 25 लाख रुपए जब्त किए गए। जिसकी पुलिस और आयकर विभाग जांच कर रही है।

आठ हजार पीपीई किट

कोविड-पोजिटिव या संदिग्ध मतदाता और पोलिंग पार्टी के लिए आठ हजार पीपीई किट्स उपलब्ध कराई गई हैं। सभी मतदान केन्द्रों को एक दिन पहले सेनेटाइज किया गया है। मतदान एजेन्ट्स, अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों और मतदाता को मतदान केन्द्र में सेनेटाइजर और साबुन उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक व्यक्ति की थर्मल गन से जांच होगी। इसके लिए 3400 थर्मल गन हैं। 41 हजार एन-95 मास्क और 82 हजार डिस्पोजेबल मास्क हैं। 41 हजार फेस शिल्ड और 41 हजार रबर हैण्ड ग्लोव्स हैं।

आईएनएस विराट को म्यूजियम में बदलने का मामला कोर्ट पहुंचा

मुंबई की फर्म ने बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर की है याचिका, आज सुनवाई संभव

अहमदाबाद @ पत्रिका. कभी भारतीय नौसेना की शान रहे युद्धपोत आईएनएस विराट को तोड़े जाने से बचाकर इसे म्यूजियम में तब्दील करने का मामला अब अदालत में पहुंचा है। मुंबई की फर्म ने इस संबंध में बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई की संभावना है। फिलहाल यह युद्धपोत तोड़े जाने के लिए गुजरात में भावनगर जिले के अलंग में दुनिया के सबसे बड़े शिप ब्रेकिंग यार्ड से कुछ दूरी पर स्थित है। मुंबई की जिस कंपनी ने इसे म्यूजियम बनाने के लिए खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी उसे अब तक केंद्र सरकार से एनओसी नहीं मिल सकी है। श्रीराम ग्रीन शिप रिसाइकिलिंग इंडस्ट्रीज ने इस युद्ध पोत को तोड़ने के लिए खरीदा है।

मुंबई की फर्म एन्विटेक मरीन कंसलटेन्ट्स प्रा. लि. की ओर से दायर याचिका में यह कहा गया है कि आईएनएस विराट सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाला युद्ध पोत है। यह ब्रिटिश नेवी में एचएमएस हर्मिश के रूप में वर्ष 1959 से लेकर 1984 तक अपनी सेवा दे चुका है। इसके बाद इसे भारतीय नौ सेना में शामिल किया गया। यह भारत का सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाला युद्धपोत है। इसलिए इस युद्धपोत की इस तरह अंत नहीं होना चाहिए।

याचिका में यह कहा गया है कि इस युद्धपोत को बड़े हेरिटेज स्थल के रूप में तब्दील किया जाएगा। इसमें नौ सेना और मरीन एविएशन स्थल के रूप में विकसित होगा जिसमें रॉयल नेवी और भारतीय नौ सेना के इतिहास और उपलब्धियों को बताया जाएगा। इसे मल्टी फंक्शनल सेन्टर जिसमे मरीन एडवेंचर होगा। इसके साथ ही करियर डवलपमेन्ट और बिजनेस हब भी होगा। एयरक्राफ्ट एक्जीबिट्स, कन्वेंशन हॉल, रेस्टोरेंट, एक्जीबिशन सेन्टर, पैरेड ग्राउंड भी होंगे। यह प्रोजेक्ट देश के लिए एक नई संपत्ति होगी, जिससे पर्यटन क्षेत्र को बल मिलेगा। यह सब कुछ तभी हो सकता है, जब रक्षा मंत्रालय से इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिले।

कोरोना के बीच करवा चौथ

सूरत. मास्क जरूरी है तो सजना भी जरूरी है। लॉकडाउन के 6 महीने बीत गए। सावे शादी सब रीत गए। करवा चौथ की तैयारी में सूरत के चोटा बाजार में चूड़ियों की खरीदी करती महिलाएं।

पहले 100 लोगों की ही थी मंजूरी

विवाह समारोह में अब आ सकेंगे 200 मेहमान

गांधीनगर @ पत्रिका. दीपावली के बाद विवाह समारोहों की शुरुआत होनी है। इसके मद्देनजर गुजरात सरकार ने विवाह समारोहों को देखते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। अब विवाह समारोहों में 100 लोगों के बजाय 200 लोगों को आमंत्रित किया जा सकेगा। यह आदेश मंगलवार से लागू हो जाएगा। मुख्यमंत्री रूपाणी ने यह निर्णय किया है कि राज्य में अब शादी समारोहों में 200 व्यक्तियों को शामिल होने की छूट रहेगी। केन्द्र सरकार की मार्गदर्शिका के अनुसार यह राहत दी गई है। हालांकि इस दौरान भी सभी लोगों को मास्क पहनना होगा और सोशल डिस्टेंसिंग समेत नियमों का पालन करना होगा। इसके अलावा बंद हॉल में यदि समारोह होता है तो उसमें क्षमता से आधे लोगों तक ही छूट दी गई है। राज्य सरकार के इस फैसले से शादी समारोहों का आयोजन करने वालों को राहत मिलेगी।

पत्रिका अलर्ट | **क्या इसके बारे में आप सोच रहे हैं या नहीं...**

ऑनलाइन शिक्षा में भटका रही है इंटरनेट की अश्लीलता!

दिनेश एम. त्रिवेदी
patrika.com

सूरत. कोरोना काल में ऑनलाइन शिक्षा के दौर में बच्चे व किशोरों के बीच इंटरनेट का उपयोग कई गुना बढ़ गया है।

इसी के साथ वे जाने-अनजाने इंटरनेट पर मौजूद अश्लील और अभद्र सामग्री की जद में आ रहे हैं, जो बालमन को भटका सकती है। ऐसे में बच्चे इंटरनेट के फायदे के साथ साइड इफैक्ट्स की भी चपेट में आ रहे हैं।

ज्ञानवर्धक सामग्री ढूंढने के लिए गूगल, यूट्यूब, वीडियो कॉल के साथ कई फ्री ऐप का उपयोग कर रहे हैं। अधिकतर निःशुल्क सुविधाएं यूं ही नहीं मिलती, उसके साथ कॉल व चेट पर आमंत्रित करती महिलाओं की अभद्र हरकतें करते विज्ञापन और पोर्न साइट व लिंक भी सामने आ जाती हैं। इनसे तो अब सामान्य सोशल साइट्स भी अछूती नहीं रही।

- कोरोनाकाल में पूरे देश के बच्चे कर रहे हैं इंटरनेट का उपयोग
- अनजाने में खुल रहे हैं आमंत्रित करती महिलाओं के विज्ञापन

कैसे और किस स्तर पर फैल रही अश्लीलता

कई ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्वच्छंद वेब सीरीज उपलब्ध हैं। सोशल मीडिया पर डबल मीनिंग प्रेंक वीडियोज, आधी-अधूरी सेक्स जानकारी, फ्रेंडशिप के फिशिंग विज्ञापन, यूट्यूब पर कई गेम्स के वीडियोज में हल्की भाषा आदि बहुत कुछ ऐसा है जो बच्चों के लिए खतरनाक है।

पोर्न फिल्टर 30-40 फीसदी ही प्रभावी

साइबर क्राइम एक्सपर्ट मीत शाह बताते हैं कि पोर्न साइट्स के फिल्टर होने के बावजूद कई साइट्स आसानी से खुलती है। फिल्टर्स 30-40 फीसदी ही प्रभावी होते हैं। क्योंकि ये साइट्स के नाम और शब्दों पर लगाए जाते हैं। जबकिये साइट्स फिल्टर से बचने के लिए अपने लिंक के की-वर्ड बदलती रहती है। जिन डिवाइस में वीपीएन का उपयोग होता है, उसमें भी फिल्टर प्रभावी नहीं होते और सीधे साइट्स के सर्वर से जोड़ देता है।

सतर्कता जरूरी है

तकनीक के उपयोग के साथ बच्चों को दुष्परिणामों से बचाने सायबर सतर्कता जरूरी है। देश में सामान्य सायबर शिक्षा की व्यवस्था भी नहीं है। कई अभिभावकों ने बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल व इंटरनेट तो उपलब्ध करवाया, लेकिन उन्हें ही पूरा ज्ञान नहीं है।

...तो फिर क्या करें

- मनोचिकित्सक कमलेश दवे के मुताबिक, बच्चों द्वारा इंटरनेट के उपयोग के समय परिवार का कोई बड़ा व्यक्ति साथ रहे या आते-जाते देखते रहें।
- यदि बच्चा बहुत जिद्दी हो रहा है तो मनोचिकित्सक से संपर्क करें या अन्य तरीकों से समझाएं।
- इंटरनेट पर कई चीजें एडिक्ट बनाती है। उसके लिए बच्चा हर हद तक जा सकता है। उसके व्यवहार में नकारात्मक बदलाव महसूस हो तो समझें कि गड़बड़ है।
- जब बच्चा मोबाइल पर हो तब उसके व्यवहार व हावभाव पर गौर करें।
- बच्चों के लिए चाइल्ड अकाउंट का उपयोग करने, विभिन्न चाइल्ड लॉक का इस्तेमाल करने और समय-समय पर सर्च व यूज हिस्ट्री पर नजर रखने की जरूरत है। निगरानी के लिए भी कुछ एप मौजूद हैं।